Headline: IIHMR University Convocation: 58% of Graduates Were Women

423 Students Received Degrees; Governor Urged Students to Use Their Knowledge for Nation Building

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
20th July 2025	Danik Bhaskar (online)	All

आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 58% महिला स्नातक: 423 छात्रों को मिली डिग्री, राज्यपाल ने छात्रों से अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का किया आह्वान

जयपुर 2 दिन पहले

आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर में शनिवार को वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।

आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर में शनिवार को वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 423 स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई। इनमें 247 महिलाएं और 176 पुरुष छात्र शामिल थे।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय के सभी चार स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए। राज्यपाल ने छात्रों से अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. पीआर सोडानी ने बताया कि इस वर्ष का प्लेसमेंट सत्र बेहद सफल रहा। सबसे अधिक 28.56 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज रहा। 11 छात्रों को संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, इंडोनेशिया और कांगो में अंतरराष्ट्रीय नियुक्तियां मिलीं।

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार, राजस्थान सरकार और अन्य राज्य सरकारों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण अध्ययन किए। डॉ. सोडानी ने स्नातकों से ईमानदारी से नेतृत्व करने और करुणा के साथ सेवा करने का आग्रह किया।

भारत के औषधि महानियंत्रक डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भागीदार बताया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने का सुझाव दिया।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

डॉ. प्रमोद येओले, कुलपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा- राजस्थान की 70% से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है; यह आंकड़ा न केवल नीति निर्माण में सहायक होना चाहिए, बल्कि कार्रवाई के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा एक राज्य और एक राष्ट्र के रूप में हमारे विकास का केंद्र बिंदू है। आप ऐसे समय में स्नातक हो रहे हैं जब स्वास्थ्य सेवा को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। जहाँ जन स्वास्थ्य को अंततः संसाधनों के साथ मान्यता मिल रही है, और जहाँ सरकार जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे और कार्यबल विकास में निवेश कर रही है। जैसे ही आप इस द्वार से बाहर निकलेंगे, आप ज्ञान, सेवा, न्याय और परिवर्तन की ज्वाला लेकर चलेंगे।

स्नातक बैच में एमबीए (अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रबंधन) के 225 छात्र, एमबीए (फार्मास्युटिकल प्रबंधन) के 125 छात्र, एमबीए (विकास प्रबंधन) के 9 छात्र, एमपीएच (कार्यान्वयन विज्ञान) के 2 छात्र, एमपीएच (कार्यकारी) के 35 छात्र और एमएचए (कार्यकारी) के 18 छात्र शामिल थे। 9 डॉक्टरेट छात्रों को भी उपाधियां प्रदान की गईं।